१. मातृभूमि

– *मैथिलीशरण गुप्त*

नीलांबर परिधान हरित पट पर सुंदर है,
सूर्य-चंद्र युग मुकुट, मेखला रत्नाकर है ।
नदियाँ प्रेम प्रवाह, फूल तारे मंडल हैं,
बंदीजन खग वृंद, शेष फन सिंहासन है ।

करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस देश की ।
हे मातृभूमि, तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की ।।

निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है,
शीतल-मंद-सुगंध पवन हर लेता श्रम है ।
षड्ऋतुओं का विविध दृश्ययुत अद्‌भुत क्रम है,
हरियाली का फर्श नहीं मखमल से कम है ।

शुचि सुधा सींचता रात में, तुझपर चंद्र प्रकाश है ।
हे मातृभूमि! दिन में तरणि, करता तम का नाश है ।।

सुरभित, सुंदर, सुखद सुमन तुझपर खिलते हैं,
भाँति-भाँति के सरस, सुधोपन फल मिलते हैं ।
औषधियाँ हैं प्राप्त एक-से-एक निराली,
खानें शोभित कहीं धातु वर रत्नोंवाली ।

जो आवश्यक होते हमें, मिलते सभी पदार्थ हैं ।
हे मातृभूमि वसुधा-धरा, तेरे नाम यथार्थ हैं ।।

क्षमामयी, तू दयामयी है, क्षेममयी है,
सुधामयी, वात्सल्यमयी, तू प्रेममयी है ।
विभवशालिनी, विश्वपालिनी, दुखहर्ती है,
भयनिवारिणी, शांतिकारिणी, सुखकर्ती है ।

हे शरणदायिनी देवी तू, करती सबका त्राण है ।
हे मातृभूमि संतान हम, तू जननी, तू प्राण है ।।

— ० —

परिचय

जन्म : १८८६, झाँसी (उ.प्र.)
मृत्यु : १९६४
परिचय : मैथिलीशरण गुप्त जी खड़ी बोली साहित्य में मील के पत्थर माने जाते हैं । आपकी रचनाओं में राष्ट्रीयता, भारत के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति के दर्शन होते हैं। आपने अपनी कृतियों में इतिहास की उपेक्षित नारी पात्रों का गौरव बढ़ाया है ।
प्रमुख कृतियाँ : 'साकेत' (महाकाव्य), 'यशोधरा', 'जयद्रथ वध', 'पंचवटी, 'भारत-भारती'(खंडकाव्य), 'रंग में भंग', 'राजा-प्रजा' (नाटक) आदि।

पद्य संबंधी

प्रस्तुत कविता में मैथिलीशरण गुप्त जी ने हम सबकी मातृभूमि भारतमाता का गौरवगान किया है । यहाँ आपने भारतभूमि की हरीतिमा, नदी-सागर, फल-फूल, चाँदनी-प्रकाश आदि का सुंदर वर्णन किया है । साथ ही जन्मभूमि की विशेषताओं को भी दर्शाया है ।

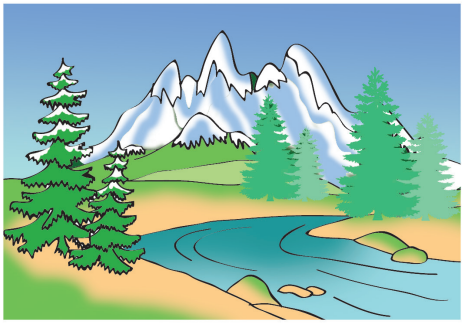

शब्द संसार

पयोद पुं.सं.(सं.) = बादल, मेघ
नीर पुं.सं.(सं.) = पानी, जल
शुचि वि.(सं.) = पवित्र, शुद्‌ध
सुधा स्त्री.सं.(सं.) = अमृत, जल
तम पुं.सं.(सं.) = अंधकार, अँधेरा
परिधान पुं.सं.(सं.) = वस्त्र, कपड़ा
सुरभित वि.(सं.) = सुगंधित, सौरभित
विभव पुं.सं.(सं.) = संपन्नता, बहुतायत

स्वाध्याय

✻ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(१) कृति पूर्ण कीजिए :

१. फूलों की विशेषताएँ

२. जन्मभूमि की विशेषताएँ

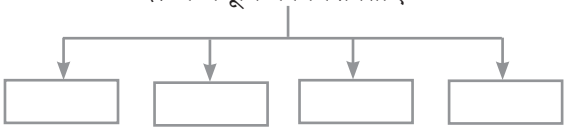

(२) इन शब्द-शब्द समूहों के लिए कविता में प्रयुक्त शब्द लिखिए :

शब्द/शब्द समूह	शब्द
पक्षियों के समूह	--------------
शेषनाग के फन	--------------
समुद्र	--------------
सूरज और चाँद	--------------

(३) कृति पूर्ण कीजिए :

विशेषताएँ

पानी

पवन

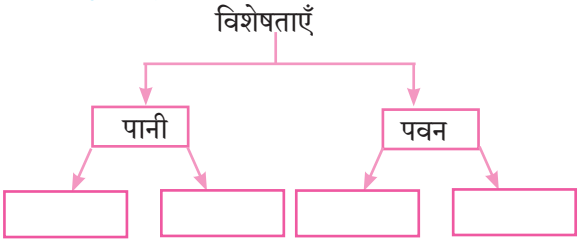

(४) संजाल पूर्ण कीजिए :

मातृभूमि इनसे सुशोभित है

(५) एक शब्द के लिए शब्द समूह लिखिए :

✻ विश्वपालिनी = --------------
✻ भयनिवारिणी = --------------

(६) चौखट में प्रयुक्त शब्दों को सूचना के अनुसार परिवर्तन करके लिखिए :

	विलोम शब्द	शब्द	पर्यायवाची शब्द
१.	________	सत्य	________
२.	________	शीतल	________
३.	________	रात	________
४.	________	निर्मल	________

(६) 'हे शरणदायिनी देवी तू, करती सबका त्राण है' पंक्ति से प्रकट होने वाला भाव लिखिए ।

उपयोजित लेखन

'मैं पंछी बोल रहा हूँ ...' विषय पर निबंध लिखिए ।

CISCHH